vinetur

पिएमोंते ने बिना बिके DOC और DOCG वाइन के लिए €1.5 मिलियन अलग रखे

प्रायोगिक कार्यक्रम के तहत संरक्षित दर्जे वाली वाइन को सिरका या अन्य औद्योगिक उपयोगों के लिए भेजने पर लगभग €40 प्रति हेक्टोलिटर का भुगतान किया जाएगा।

गुरुवार, 8 अक्टूबर 2026



इटली के पिएमोंते क्षेत्र ने संरक्षित दर्जे वाली वाइन के बिना बिके स्टॉक से निपटने में उत्पादकों की मदद के लिए €1.5 मिलियन अलग रखे हैं। इसके तहत एक प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका लक्ष्य अतिरिक्त DOC और DOCG वाइन को वाइन के रूप में बेचने के बजाय अन्य उपयोगों की ओर मोड़ना है।

क्षेत्रीय सरकार ने 7 अक्टूबर को इस उपाय को मंजूरी दी। इसका लक्ष्य इटली के प्रमुख वाइन उत्पादक क्षेत्रों में से एक के सेलरों में बढ़ता हुआ स्टॉक है। क्षेत्रीय आवेदन सूचना के मुताबिक, इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसी आपूर्ति-श्रृंखला संबंधी व्यवस्थाओं को समर्थन देना है, जिनसे उन वाइन के लिए व्यावसायिक खरीदार मिल सके जिन्हें खरीददार नहीं मिले हैं। साथ ही, इन वाइन को भंडारण में रखने की लागत का एक हिस्सा भी पूरा किया जाएगा।

यह कदम ऐसे समय आया है जब क्षेत्र अपने वाइन उद्योग को “गहरे संकट” में बता रहा है। इसके कारणों में उत्पादन लागत में वृद्धि, टैरिफ, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बदलते उपभोग के रुझान शामिल हैं।

क्षेत्रीय सूचना के अनुसार, इन दबावों से बिक्री धीमी हुई है—खासकर हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र और निर्यात बाजारों में—और वाइनरी में बिना बिके भंडार बढ़ा है।

इस कार्यक्रम के तहत सहायता केवल ऐसी बिना बोतलबंद की गई DOC और DOCG वाइन के लिए उपलब्ध है, जिन्हें इन दर्जों के लिए प्रमाणित किया गया हो या जो इनके लिए पात्र हों। ये वाइन 2025 की फसल या उससे पहले की होनी चाहिए और कंपनी की अपनी सुविधाओं में रखी होनी चाहिए। इटली में DOC और DOCG संरक्षित गुणवत्ता दर्जे हैं, जो उत्पादन नियमों और भौगोलिक मूल से जुड़े हैं। इस पाबंदी का अर्थ है कि यह उपाय सामान्य तौर पर बल्क वाइन के बजाय उच्च-मूल्य वाले अपीलेशन वाइन पर केंद्रित है।

पात्र आवेदकों में क्षेत्र द्वारा तय आवश्यकताओं को पूरा करने वाले वाइन उत्पादक और सहकारी वाइनरी शामिल हैं। प्रत्येक लाभार्थी 300 हेक्टोलिटर यानी 30,000 लीटर से लेकर 4,000 हेक्टोलिटर यानी 400,000 लीटर तक की मात्रा के लिए सहायता मांग सकता है।

वित्तीय सहायता €39.5373 प्रति हेक्टोलिटर की दर से तय की गई है—यानी लगभग €40 प्रति हेक्टोलिटर। इसकी गणना 31 जुलाई 2025 से 30 नवंबर 2026 तक की 487 दिनों की औसत भंडारण अवधि के आधार पर की गई है। इस भुगतान का उद्देश्य सामान्य व्यावसायिक माध्यमों से न बिक सकी वाइन को रखने की लागत का एक हिस्सा पूरा करना है।

क्षेत्रीय नियमों के अनुसार, यदि पात्र आवेदनों की कुल मात्रा उपलब्ध धनराशि से अधिक होती है, तो सहायता पाने वाली मात्रा आनुपातिक रूप से घटाई जाएगी। आवेदन 7 अक्टूबर से 30 नवंबर तक खुले हैं और पिएमोंते क्षेत्रीय सरकार की ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से जमा किए जाने चाहिए।

इस कार्यक्रम के सबसे अहम पहलुओं में से एक है वित्तपोषण से जुड़ी शर्त। सहायता पाने के लिए उत्पादकों और सहकारी संस्थाओं को प्रसंस्करण कंपनियों के साथ आपूर्ति-श्रृंखला समझौते करने होंगे और सहायता-प्राप्त वाइन को वाइन के रूप में बेचने के बजाय अन्य उपयोगों के लिए भेजना होगा। क्षेत्रीय दस्तावेज़ों में आसवन से प्राप्त उत्पादों को स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है। क्षेत्र द्वारा बताए गए संभावित विकल्पों में सिरके में बदलना और अन्य गैर-वाइन उपयोग शामिल हैं।

यह शर्त इस उपाय को वाइन की अधिकता घटाने के पारंपरिक तरीकों से अलग करती है। आसवन या नष्ट करने के लिए सहायता देने के बजाय, पिएमोंते भंडारण में मौजूद संरक्षित दर्जे वाली वाइन के लिए वैकल्पिक औद्योगिक उपयोग तैयार करने की कोशिश कर रहा है। पेय उद्योग के लिए यह कार्यक्रम शुरुआती कसौटी बन सकता है कि क्या अतिरिक्त अपीलेशन वाइन को इस तरह दूसरी ओर भेजा जा सकता है कि वाइनरी के भंडार और कीमतों पर दबाव घटे, लेकिन उसे आसवन में न भेजना पड़े। यदि अन्य उत्पादक क्षेत्रों में भी अतिरिक्त आपूर्ति जारी रहती है, तो यह तरीका अहम हो सकता है।

पिएमोंते के क्षेत्रीय कृषि पार्षद Paolo Bongioanni ने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य उत्पादकों द्वारा उठाई गई उस जरूरत का जवाब देना है, जो सेलरों में अब भी रखी वाइन की मात्रा से निपटने के समाधान से जुड़ी है। इसका मकसद वाइन कंपनियों और खाद्य प्रसंस्करण श्रृंखला के अन्य हिस्सों के बीच नए समझौतों को प्रोत्साहित करना भी है।

उत्पादकों के लिए इस उपाय का समय अहम है, क्योंकि यह ऐसे वक्त आया है जब उद्योग नई फसल से भी निपट रहा है। क्षेत्रीय सूचना में चेतावनी दी गई है कि स्टॉक लगातार बढ़ने से 2027 में वाइन की कीमतों और 2026 की फसल के अंगूरों पर और दबाव पड़ सकता है। इस लिहाज से, यह कार्यक्रम केवल भंडारण लागत पर सब्सिडी नहीं है, बल्कि मौजूदा भंडार को पिएमोंते वाइन के अगले व्यावसायिक चक्र पर और दबाव डालने से रोकने की कोशिश भी है।